(ISSN: 2393-8048)

International Seminar on September 16th, 2024
"Exploring the Frontiers of Interdisciplinary Research (ICEFIR-2024)"
Organized By: Nagpal Charitable Trust, Sri Ganganagar
Venue: Maharaja Agrasen Vidya Mandir School, Sri Ganganagar

ओसीपी संस्कृति की धार्मिक मान्यताएँ और भौतिक अवशेषों का विश्लेषण

मीनाक्षी शर्मा, इतिहास विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला, अमरोहा (उत्तर प्रदेश), भारत

सारांश

ओचर कलर्ड पॉटरी (Ochre Coloured Pottery—OCP) संस्कृति भारतीय पुरातत्त्व के प्रारंभिक लौह युग से पूर्व के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक चरणों में मानी जाती है, जिसका प्रमुख प्रसार गंगा-यमुना दोआब और उससे संबद्ध क्षेत्रों में देखा जाता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य ओसीपी संस्कृति की धार्मिक मान्यताओं तथा उसके भौतिक अवशेषों का विश्लेषण करते हुए तत्कालीन समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन को समझना है। पुरातात्त्विक उत्खननों से प्राप्त गेरुए रंग के मृद्भांड, ताम्र उपकरण, मानव एवं पशु अस्थियाँ, आभूषण, आवासीय संरचनाएँ तथा अन्य अवशेष तत्कालीन जीवन-पद्धति और सांस्कृतिक व्यवहार के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। विशेष रूप से ताम्र उपकरणों और विशिष्ट प्रकार के मृद्भांडों की प्राप्ति इस संस्कृति की तकनीकी दक्षता तथा विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं से संपर्क की ओर संकेत करती है। ओसीपी संस्कृति से संबंधित धार्मिक मान्यताओं का पुनर्निर्माण मुख्यतः पुरातात्त्विक साक्ष्यों, दफन संस्कारों, मानव-अवशेषों तथा प्रतीकात्मक वस्तुओं के अध्ययन पर आधारित है। हालांकि इस संस्कृति के संबंध में प्रत्यक्ष धार्मिक प्रमाण सीमित हैं, फिर भी अंत्येष्टि प्रथाएँ, पशु-अवशेष और कुछ विशिष्ट पुरावशेष तत्कालीन धार्मिक विश्वासों, अनुष्ठानों और मृत्यु संबंधी धारणाओं की संभावित झलक प्रदान करते हैं। अध्ययन में यह भी विचार किया गया है कि भौतिक संस्कृति के आधार पर धार्मिक निष्कर्ष निकालते समय सावधानी आवश्यक है, क्योंकि प्रत्येक पुरावशेष को अनिवार्य रूप से धार्मिक अर्थ देना उचित नहीं है। निष्कर्षतः ओसीपी संस्कृति के भौतिक अवशेष सामाजिक संगठन, तकनीकी विकास और संभावित धार्मिक व्यवहारों को समझने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

बीज शब्द: ओसीपी संस्कृति, गेरुए रंग की मृद्भांड संस्कृति, पुरातत्त्व, धार्मिक मान्यताएँ, ताम्र उपकरण, भौतिक अवशेष, अंत्येष्टि संस्कार, गंगा-यमुना दोआब, प्राचीन भारतीय संस्कृति।

Quality Of Work... Never Ended...